गर्ल्स स्कूल में जनसहयोग से बनेंगे चार कमरे

पीएमश्री के प्राचार्य ने स्कूल परिसर में किया भूमिपूजन

बेगमगंज, 4 दिसंबर. शासकीय पीएमश्री गर्ल्स हायर सेकंडरी स्कूल में अध्ययनरत 1755 छात्राओं को पुराने भवन में जगह कम पड़ने से बहुत ज्यादा परेशानी उठाना पड़ रही है. एक -एक कक्षा के 6 - 6 सेक्शन होने से भवन में कमरों की कमी के चलते दो -दो शिफ्ट में स्कूल लगाना पड़ रहा है.

वर्तमान में भवन में मात्र 23 कमरें है जिनमें 1755 छात्राओं को पढ़ना मुश्किल हो रहा है. छात्राओं की भारी संख्या के मद्देनजर 43 कक्षाएं लगना चाहिए जिसके लिए 43 कमरों की आवश्यकता है. वर्तमान में मिडिल सेक्शन में कक्षा 6 वी. से 8 वी. तक 2 - 2 सेक्शन में कक्षाएं लग रही हैं और हायर सेकंडरी में चार विषय कला, विज्ञान, कामर्स एवं गणित विज्ञान की कक्षा 9 वीं से 12 वीं. तक 6 - 6 सेक्शन में कक्षाएं लग रही हैं. छात्राओं एवं अभिभावकों की वर्षों से नवीन भवन या फिर अतिरिक्त कमरों के निर्माण कराए जाने की मांग पर शासन -प्रशासन द्वारा ध्यान नहीं दिया गया.और जनप्रतिनिधियों सांसद, विधायक भी उदासीन बने हुए हैं. प्राचार्य राजेंद्र श्रीवास्तव एवं स्टॉफ ने 4 कमरों के निर्माण का बीड़ा उठाते हुए बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि अभिभावकों एवं जनसहयोग से 4 नवीन कमरों का निर्माण कराया जाए. इसकी शुरुआत करते हुए प्राचार्य राजेंद्र श्रीवास्तव ने गुरुवार को स्कूल प्रांगण में विधिविधान से भूमि पूजन किया.

> प्राचार्य राजेंद्र श्रीवास्तव ने बताया शिक्षकों, अभिभावकों, समाजसेवियों एवं जनप्रतिनिधियों से सहयोग लेकर अनुमानित 15 लाख की लागत से 4 कक्षाओं के निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. हम सब इसके लिए दान लेने निकलेंगे. नवीन कमरों के निर्माण होने से छात्राओं को बड़ी राहत मिलेगी.

खबर मिलते ही अनेक ठेकेदार, अभिभावक एवं समाजसेवी पहुंच गए, जिन्होंने अपनी-अपनी तरफ से बिल्डिंग निर्माण में लगने वाली सेंटिंग, रेत, गिट्टी एवं अन्य सामग्री देने की पेशकश की तो स्कूल स्टॉफ एवं छात्राओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए ताली बजाकर करतल ध्वनि से उनका अभिवादन किया.

गांवों में छिपी प्रतिभाओं को मार्गदर्शन और मंच देने की जरूरत : दुर्गेश सिंह

नारायणपुर में सांसद खेल महोत्सव क्रिकेट का समापन

सिलवानी, 4 दिसंबर. अंचल नारायणपुर में बुधवार को सांसद खेल महोत्सव के क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन हुआ.केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के खेलो इंडिया एवं फिट युवा-विकसित भारत अभियान के तहत आयोजित इस महोत्सव में प्रतापगढ़ मंडल के अंतर्गत आने वाले लगभग 36 ग्राम पंचायतों से 1200 से अधिक खिलाड़ियों व विद्यार्थियों ने भाग लिया.

कार्यक्रम में पूर्व मंत्री ठाकुर रामपाल सिंह के ज्येष्ठ पुत्र दुर्गेश प्रताप सिंह मुख्य अतिथि एवं मंडल अध्यक्ष पप्पू ठाकुर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे.

समापन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि दुर्गेश प्रताप सिंह ने कहा कि नारायणपुर में सांसद खेल महोत्सव की शुरुआत से लेकर समापन तक का यह आयोजन ऐतिहासिक रहा है.यह मंच उन पारंपरिक एवं ग्रामीण खेलों के विकास में मील का पत्थर साबित होगा, जिनमें गांव-शहर की अपार प्रतिभाएँ छिपी हुई हैं. उन्होंने बुंदेलखंड के गांव से उभरकर राष्ट्रीय मंच तक पहुँची प्रतिभाशाली बेटी क्रांति गौड़ का उदाहरण देते हुए कहा कि ग्रामीण भारत खेल क्षमता से भरा हुआ है, बस उसे मंच और मार्गदर्शन की आवश्यकता है.

फाइनल में खमरिया विजेता, हिनोतिया उपविजेता

एक माह तक चले इस महोत्सव का क्रिकेट कार्यक्रम एक सप्ताह तक चला.फाइनल मुकाबले में खमरिया की टीम विजेता तथा हिनोतिया उपविजेता रही. मुख्य अतिथि दुर्गेश प्रताप सिंह ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की. सभी कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया. अगला चरण विधानसभा एवं लोकसभा स्तर पर समापन समारोह में बताया गया कि फाइनल में विजयी टीम अब विधानसभा स्तरीय प्रतियोगिता में खेलेगी. इसके बाद अंतिम चरण लोकसभा स्तर पर आयोजित होगा. इस मौके पर जिला पंचायत सदस्य राकेश उइके, पूर्व मंडल अध्यक्ष विजय शुक्ला, सरपंच रमेश सल्लाम, राजेश राय, छोटू पटेल, महामंत्री संतोष रघुवंशी, सर्वेश खरे, विक्रम शाह, कैलाश तुमराम, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष हेमेंद्र राठौर, धनराज सिंह, रामदयाल सहित अनेक कार्यकर्ता एवं खेल विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे.

रेतिया नाले का पानी रोकने बनाया 21 बोरियों का बंधान

सलामतपुर, 4 दिसंबर. मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड सांची जिला रायसेन के सेक्टर सांची ग्राम पंचायत माखनी के ग्राम खजुरीखेड़ा के रेतिया नाले में जल संचय अभियान के अंतर्गत, जल बचेगा तो जीवन बचेगा ,जल है तो जीवन है ,जल है तो कल है,सभी ने जल बचाने का संकल्प लिया.

सेक्टर सांची नवअंकुर संस्था मातृ भूमि मानव कल्याण समिति ग्राम अमरावत वाज्यापत (छिमछिरी) के द्वारा रेतिया नाले पर 21 बोरी का बोरी बंधान कर जल संचय का संदेश दिया गया.जिसमें विशेष रूप से ब्लॉक समन्वयक आनंद कुमार नेमा नवअंकुर संस्था के अध्यक्ष मूरत सिंह लोधी,सुनील कुमार सिसोदिया, प्रताप सिंह, दिनेश लोधी, राजेंद्र विश्वकर्मा बहादुर सिंह उपस्थित रहे.

'रंग संस्कृति नाट्य समारोह' 12 दिसंबर से

भोपाल, 4 दिसंबर. नाट्य कला मंचन से सराबोर रहने वाले रंगश्री लिटिल बैले ट्रूप के रागबंध सभागार में 12 दिसंबर से द्वितीय 'रंग संस्कृति नाट्य समारोह' आरंभ हो रहा है.

रंग संस्कृति सृजन समिति द्वारा संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से आयोजित इस तीन दिवसीय नाट्य समारोह में रंगमंच,संस्कृति एवं साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले कलाकार एवं साहित्य धर्मियों को स्मृति चिन्ह के साथ सम्मानित किया जाएगा. नाट्य समारोह के प्रथम दिवस मध्य प्रदेश नाट्य विद्यालय के छात्रों द्वारा संजय उपाध्याय के निर्देशन में तैयार नाटक 'एक थी चिड़िया' का मंचन होगा.

दूसरे दिन खुशबू चैबितकर निर्देशित नाटक 'द रिस्पेक्टफुल प्रोस्टिट्यूट' और तृतीय दिवस रविवार शाम सादात भारती के निर्देशन में वरिष्ठ रंग कर्मी बालेंद्र सिंह अभिनीत चर्चित नाटक 'पढ़िए कालिमा' का मंचन होगा.

> रंगकर्मी एवं रंग संस्कृति सृजन समिति के सचिव यतीन्द्र अत्रे ने बताया कि समारोह के अंतिम दिवस की संध्या पर नाटक मंचन से पूर्व लोक गायक प्रवीण चौबे एवं साथी कलाकारों द्वारा निमाड़ी बोली में गांव के गीतों पर आधारित यशोगान की प्रस्तुति होगी. रंग दर्शकों के लिए पहले आओ पहले पाओ की तर्ज पर प्रवेश निशुल्क रहेगा.

भूरेरु में तीन एकड़ वनभूमि अतिक्रमण से मुक्त

वन विभाग ने अतिक्रमण हटाकर खोद दिए कंटूर ट्रेंच

बेगमगंज, 4 दिसंबर. वनभूमि पर अवैध कब्जा करके मजे से खेती करने वालों के विरुद्ध वनविभाग की लगातार चल रही कार्रवाई में गुरुवार को डीएफओ प्रतिभा शुक्ला के निर्देशानुसार रेजर अरविंद अहिरवार के मार्गदर्शन में सुनेहरा बीट क्षेत्र के ग्राम भूरेरु के कक्ष क्र. पीएफ 154 ए. से 3 एकड़ वनभूमि पर अवैध कब्जा करने वाले अतिक्रमणकारी रमेश कुशवाहा भूरेरु का अतिक्रमण हटाकर उक्त भूमि पर भू-जल संरक्षण के लिए कंटूर ट्रेंच खोदकर वनरक्षक शरद कुमार शर्मा एवं वन सुरक्षा समिति भूरेरु के सहयोगी सदस्यों के सुपुर्द कर संरक्षित की गई, ताकि दोबारा उस पर कोई काबिज ना हो सके और उपरोक्त वनभूमि पर जल संरक्षण का कार्य किया जा सके.

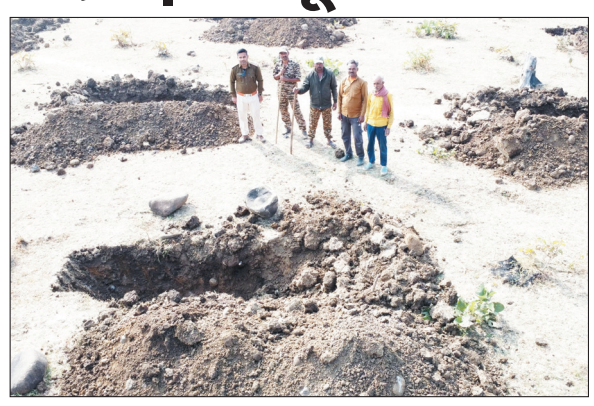

आज से हृदय दृश्यम संगीत समारोह

नवभारत प्रतिनिधि,

भोपाल, 4 दिसंबर. संस्कृति विभाग और पर्यटन विभाग द्वारा हृदय दृश्यम वृहद संगीत समारोह का आठवां संस्करण 5 से 7 दिसंबर तक रवीन्द्र भवन के हंसध्वनि सभागार में किया जा रहा है. समारोह का शुभारंभ शुक्रवार की शाम 5 बजे होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव उपस्थित रहेंगे.

अध्यक्षता संस्कृति, पर्यटन और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी करेंगे. समारोह के पहले दिन हंसध्वनि सभागार में शाम साढ़े पांच बजे पंडित रघुवीर चौधरी, सात बजे अमान और अयान अली बांगश और रात आठ बजे मधुबन बाघमार अपनी प्रस्तुतियां देंगे. छह दिसंबर को कार्यक्रम जगदीशपुर में होगा. जगदीशपुर में सुबह साढ़े पांच बजे उद्घाटन सत्र होगा. इसके बाद पंडित रविशंकर सुबह साढ़े छह बजे से प्रस्तुति देंगे. पंडित आदित्य कल्याणपुर सुबह साढ़े आठ बजे से शास्त्रीय वादन प्रस्तुत करेंगे.

एक नजर में

विश्व दिव्यांग दिवस पर दिया स्वावलंबन का संदेश

भोपाल, 4 दिसंबर. एम्स भोपाल के भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास विभाग (पीएमआर) द्वारा विश्व दिव्यांग दिवस एवं विभाग के स्थापना दिवस के अवसर पर गुरुवार को जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य दिव्यांगजन और उनके परिवारों को पुनर्वास सेवाओं, सहायक उपकरणों और सरकारी योजनाओं के बारे में सरल एवं उपयोगी जानकारी प्रदान करना था. इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) माधवानंद कर ने कहा कि पुनर्वास चिकित्सा बीमारी या दुर्घटना के बाद सामान्य जीवन में लौटने के लिए अत्यंत आवश्यक है. उन्होंने कहा कि मजबूत इच्छाशक्ति से जीवन में कुछ भी असंभव नहीं है. मेडिकल सुपरिन्टेंडेंट प्रो. (डॉ.) विकास गुप्ता ने पीएमआर विभाग की प्रगति को सराहनीय बताते हुए कहा कि विभाग ने सेवाओं, उपचार पद्धतियों और सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार किया है, जिससे मरीजों को बेहतर और प्रभावी पुनर्वास सहायता मिल रही है.

निटर में वार्षिक महोत्सव 'नवोत्कर्ष-2025' का आयोजन

भोपाल. समविश्विद्यालय बनने और विद्यार्थियों के पहले बैच का स्वागत करने के बाद, एनआईटीटीटीआर भोपाल का तीन दिवसीय वार्षिक महोत्सव 'नवोत्कर्ष-2025' पोस्टग्रेजुएट और पीएचडी स्टूडेंट्स के लिए आयोजित किया गया. यह आयोजन नवाचार, रचनात्मकता और सहयोग का मिश्रण प्रस्तुत करता है, जो छात्रों को अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन करने और खेलों और शैक्षिक क्षेत्रों में संभावनाओं की सीमाओं को बढ़ाने का अवसर प्रदान करेगा. इस अवसर पर निटर के डायरेक्टर प्रो. सी.सी. त्रिपाठी ने कहा कि हमारे स्टूडेंट्स की सफलता सिर्फ उनकी एकेडमिक अचीवमेंट्स से नहीं, बल्कि जीवन के अन्य क्षेत्रों में संतुलन बनाए रखने और उसमें सफलता प्राप्त करने की उनकी क्षमता से भी मापी जाती है.

विधानसभा पहुंचे एलएनसीटी यूनिवर्सिटी के छात्र

भोपाल. एलएनसीटी यूनिवर्सिटी भोपाल के स्कूल ऑफ लीगल स्टडीज के छात्रों ने गुरुवार को मध्यप्रदेश विधानसभा का शैक्षणिक भ्रमण किया.यह भ्रमण प्रोफेसर मुकेश कुमार साहू डीन एंड डायरेक्टर के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया.इस दौरान बड़ी संख्या में शिक्षक और छात्र उपस्थित रहे.छात्रों ने विधानसभा की लाइव कार्यवाही का अवलोकन करते हुए प्रश्नकाल और शून्यकाल में होने वाली चर्चाओं को समझा और व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया.भ्रमण के दौरान छात्रों ने मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा से भी भेंट की.उन्होंने छात्रों को विधानसभा की कार्यप्रणाली के बारे में मार्गदर्शन दिया और उनके साथ समूह फोटो कराया.इसके बाद छात्रों ने नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार से मुलाकात की जिन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं.

विद्यार्थियों ने दूरदर्शन केंद्र की कार्यप्रणाली को समझा

भोपाल, 4 दिसंबर. स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी (एसजीएसयू)के मीडिया एंड जर्नलिज्म स्कूल, एनीमेशन-गेमिंग-वीएफएक्स स्कूल एवं टीम युवाज़ के छात्रों द्वारा दूरदर्शन केंद्र भ्रमण का आयोजित किया गया, जिसका संचालन डॉ. विशाखा राजुरकर और प्रशांत सोनारे द्वारा किया गया.

भ्रमण का आयोजन एसजीएसयू के चांसलर डॉ सिद्धार्थ चतुर्वेदी, कुलगुरु डॉ विजय सिंह, कुलसचिव डॉ सितेश कुमार सिन्हा, डीएसडब्ल्यू डॉ. विनोद कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में हुआ. भ्रमण के आयोजन का उद्देश्य छात्रों को टेलीविजन प्रसारण की वास्तविक कार्यप्रणाली, तकनीकी संरचना और सार्वजनिक सेवा मीडिया की भूमिका से अवगत कराना था. इस दौरान छात्रों ने न्यूज़रूम, प्रोडक्शन कंट्रोल रूम (पीसीआर), स्टूडियो संचालन, एडिटिंग रूम और ट्रांसमिशन यूनिट्स का अध्ययन किया. दूरदर्शन के अधिकारियों ने न्यूज़ बुलेटिन निर्माण की प्रक्रिया, लाइव प्रसारण की तकनीक, कार्यक्रमों के शेड्यूल निर्माण तथा राष्ट्रीय प्रसारक द्वारा अपनाए जाने वाले मानकों की विस्तार से जानकारी दी.

अधर में सिलवानी में खेल स्टेडियम का सपना

नई नीति के तहत निर्माण के लिए 10 एकड़ जमीन होना अनिवार्य

सिलवानी, 4 दिसंबर. खिलाड़ियों और खेलप्रेमियों का वर्षों पुराना सपना एक आधुनिक खेल स्टेडियम सरकारी नीतियों की उलझनों में फंसकर कहीं अधूरा ही ना रह जाए.नगर में खेल सुविधाओं को बढ़ावा देने की मांग लंबे समय से उठती रही है, लेकिन हाल ही में सरकार द्वारा बनाई गई नई स्टेडियम निर्माण नीति ने इस उम्मीद को और भी कमजोर कर दिया है.

पहले जहां 5 एकड़ भूमि पर स्टेडियम की स्वीकृति मिल जाती थी, वहीं अब नई नीति के तहत कम से कम 10 एकड़ जमीन अनिवार्य कर दी गई है.समस्या यह है कि नगर सीमा या आसपास इतनी विस्तृत और समतल भूमि उपलब्ध ही नहीं है. यही कारण है कि स्टेडियम निर्माण की प्रक्रिया वर्षों से ठप पड़ी हुई है और लोगों की उम्मीदें धीरे-धीरे क्षीण होती जा रही हैं. स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नगर में मौजूद सरकारी फार्महाउस जैसी जमीन स्टेडियम निर्माण के लिए बिल्कुल उपयुक्त हो सकती है, लेकिन जिम्मेदार विभागों द्वारा इस दिशा में कोई ठोस पहल दिखाई नहीं देती.वहीं दूसरी ओर, ऐसी जमीन तलाशने में भी कठिनाई हो रही है जो बच्चों और खिलाड़ियों के लिए आसानी से पहुंच योग्य हो तथा एक साथ पर्याप्त क्षेत्रफल उपलब्ध करा सके. सिलवानी के युवा खिलाड़ी, कोच और स्थानीय संगठनों ने कई बार ज्ञापन सौंपकर अपनी मांग सरकार तक पहुंचाई है. बावजूद इसके अब तक न कोई स्थल चयन हुआ और न ही कोई प्रस्ताव आगे बढ़ा.जनता में गहरा रोष इस बात को लेकर भी है कि जहां गल्ला मंडी के लिए कृषि भूमि तमाम प्रयासों के बाद उपलब्ध करा दी गई, वहीं खेल स्टेडियम के मामले में सरकार की कार्यशैली उदासीन ही नजर आती है.

> खिलाड़ियों का कहना है कि यदि स्टेडियम बन जाता, तो सिलवानी के युवाओं को बेहतर प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं का अवसर मिलता.आधुनिक सुविधाओं वाला स्टेडियम बच्चों के संपूर्ण विकास और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होता.

सुविधा की दरकार पर्यटकों को सांची सतधारा, सुनारी स्तूप पहुंचने में होती है परेशानी

लंबी दूरी की एक्सप्रेस ट्रेनों का सलामतपुर में नहीं है स्टॉपेज

सलामतपुर, 4 दिसंबर. सलामतपुर कस्बे के आसपास काफी पर्यटन स्थल हैं.और यहां से प्रतिदिन लगभग चार सौ यात्री अपडाउन करके भोपाल या विदिशा के लिए जाते हैं.लेकिन सलामतपुर स्टेशन पर कोई भी लंबी दूरी की एक्सप्रेस ट्रेन नही रुकती है, जबकि पास में ही सतधारा के बौद्ध स्तूप और सुनारी के स्तूप और सलामतपुर में सांची बौद्ध यूनिवर्सिटी का भी निर्माण पूरा होने के बाद क्लासें शुरू हो गई हैं.

अगर यहां पर लंबी दूरी की एक्सप्रेस ट्रेनों का स्टॉपेज शुरू कर दिया जाए तो पर्यटन बढ़ने के साथ ही स्थानीय बेरोजगार युवकों को रोजगार भी आसानी

के साथ मिल सकेगा. ट्रेनों के स्टॉपेज को लेकर कई बार स्थानीय नागरिकों के साथ ही अपडाउनर्स ने भी ज्ञापन के माध्यम से अपनी बात रखी है. लेकिन रेलवे विभाग ने अभी तक समस्या का समाधान नहीं किया है.

स्टेशन पर बिलासपुर, जोधपुर भोपाल पैसेंजर, भोपाल बीना मेमू पैसेंजर ट्रेनें ही रुकती हैं. जबकि पहले यहां पर विध्यांचल एक्सप्रेस ट्रेन भी रुकती थी. लेकिन उसका भी स्टॉपेज यहां पर अभी तक पुन: शुरू नही किया गया है.जिसकी वजह से विदिशा या भोपाल पड़ने जाने वाले छात्र छात्राओं के साथ ही नौकरी और मजदूरी करने वाले यात्रियों को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है. वर्तमान में भोपाल बीना मेमो पैसेंजर, जोधपुर भोपाल पैसेंजर बिलासपुर भोपाल एक्सप्रेस एवं प्रयागराज एक्सप्रेस ट्रेन सांची में रुक रही हैं.नवंबर के महीने में सांची स्टेशन पर मेला होने की वजह से अस्थाई रूप से 4 ट्रेनों का स्टॉपेज ज़रूर शुरू किया गया था.वह भी बंद कर दिया गया है.

> **ब्लैक बोर्ड हो रहा है अनुपयोगी साबित**
>
> ट्रेनों के स्टॉपेज की संबंधी जानकारी के लिए लगाया गया ब्लैक बोर्ड यात्रियों के लिए सिर्फ औपचारिकता साबित हो रहा है.लंबी दूरी की ट्रेन है दादर-अमृतसर एक्सप्रेस, इटारसी भोपाल विंध्याचल एक्सप्रेस, अंडमान एक्सप्रेस आदि प्रमुख यात्री गाड़ी यहां नहीं रोकी जा रही.जबकि इन ट्रेनों का स्टॉपेज पहले सांची स्टेशन पर था.तो रायसेन जिले के अधिकांश यात्रियों को यहां से यात्रा करने की सुविधा मिल रही थी.लेकिन अब ट्रेनों के स्टॉपेज बंद होने से यात्रियों की सुविधा भी बंद हो गई.इससे कई अप डाउन करने वाले एवं पढ़ने वाले छात्र-छात्राएं नौकरी पेशा वाले लोग और तीर्थयात्री काफी परेशान होते हैं.

> **इस संबंध में रातातलाई सरपंच रघुवीर सिंह मीणा का कहना है**
>
> लंबी दूरी की ट्रेनों का सलामतपुर व सांची में स्टॉपेज नही होने के कारण यात्री और पर्यटक परेशान हो रहे हैं. इस समस्या के समाधान के लिए कई बार रेलवे अधिकारियों को ज्ञापन दिया जा चुका है.लेकिन समस्या का समाधान नही हो रहा है. वही सलामतपुर के बब्लू पठान का कहना है कि बाहर से आए पर्यटकों को विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल सांची और सतधारा स्तूप पहुंचने के लिए विदिशा या भोपाल स्टेशन पर उतरना पड़ता है.यहां से उन्हें बस के माध्यम से सांची या सतधारा स्तूप पहुंचना पड़ता है.जिससे काफी समस्या होती है.